उत्तर्राचल शासन आवकारी अनुभाग

शासनादेश संख्या 13 • 7 / xxiii / 2005 / 61 / 2005 देहरादून : दिनाक: 23 अगस्त, 2005 का संलग्नक

अनुदान संख्या:-08

2039 - राज्य उत्पादन शुल्का

-00-आयोजनेत्तर

001-निदेशन एवं प्रशासन

04- भटिटयाँ

04- भटिटयाँ मद में

কৈ.	मद का नाम	लेखानुदान । आर्वटित घनराशि(हजार में)	आहरण एवं अवमुक्त किये जाने हेतु प्रस्तावित धनराशि(हजार में)
1.	07- मानदेय	20	20
2.	11-लेखन सामग्री एवं फार्नो की छपाई	2,00	2.00
3.	12—कार्यालय फनींचर एवं उपकरण	1,00	1,00
4,	16-व्यवसायिक तथा विशेष सेयाओं के लिए भुगतान	1,00	1,00
5.	19-विज्ञापन, विक्री एवं विख्यापन व्यय	5,00	5,00
6.	23- गुप्त सेवा व्यय	1,00	1,00
7.	29- अनुरक्षण	50	50
8.	42- अन्य व्यय	60	50
	योग-	13,20	13,20

(रू० तेरह लाख बीस हजार भान)

(बी. सी. चन्दौला) रू. सचिव। प्रेषक.

ही सी चन्दाला,

संचेत.

उल्लंचल शासन्।

सेवा में

आबकारी अध्वत. सत्तरावल देहरादून।

आबकारी अनुनाग

देशसदून देनाक 23 अगस्त, 2005 वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए अवचनवद्ध व्ययों हो न्योकृति हे सम्बन्ध में ।

विषय:-उहोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन्त्रदेश संख्या 516/ XXIII/2005/01/2005 दिनांक 05अप्रैल, 2005 एव शासनादेश संख्या 680 / XXIII / 2005 / 01 / 2005 दिनांक 12 मई, 2005 के संदर्ग में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए आबकारी विनाग को लेखानुदानादकी में स्वीकृत धनशशि को सम्मलित करते हु महिटयों मद में संलग्न विदश्य के अनुसार ए.- 13,20,000 मात्र (१८- अस्ड लाख बीस हजार मात्र) की घनशरि अययनबद्ध मदी पर व्यव करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। स्थल मदौ पर व्यय करते समय शासन द्वारा मितम्यविता के विषय में निर्मत आदेश , स्टीर परभेक्र राजा वजट मैनुअल, विलीय हस्तपुरितका आदि नियमी का अनुपालन किया जाएगा। कार्यालय फर्नीचर, उपकरणों का क्र

थीं जी, एस एण्ड की की दसे पर अध्या टेण्डर / कोटेशन दिश्यक निजमों का अनुपालन विद्या जाएगा।

व्यय उन्हीं मदों में किया जावेगा, जिससे लिए वह स्वीकृत किया जा रहा है।

रवीकृत की जा रही धनसाहि का 31-3-2006 तक स्वमीग कर लिया साधेगा। इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय दिलीय वर्ष 2005-06 के अनुदान संस्टा-08 के लेखा शीर्षक-2039- स उत्पादन शुल्क-00-आयोजनेतार-001- निर्देशन तथा प्रशासन-04-महिर्द्यों के अधीन संलग्नक में चित्तिर

शुसगत इकाईयों के नाम डाला जायेगा। यह आदेश विता अनुमाग-उ के अशासकीय संख्या- १२४५ ी /दिवसनुव-३/२००३ दिनांव २० अन भवदीय

2005 के अन्तर्गत चनकी सहमति से जारी किये जा खे हैं।

राजगनक- यथोपरि।

संख्या (3°7 (1) / XXIII/2005/01/2005 तद्दिनांकित प्रतितिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आयस्पळ कर्यवाही हेतु प्रेपित — १— महालेखाकार, चलाचावर, ओबेलय भवन, ग्राहारनपुर रोड्माजरा, देशरपुन।

2- यरिष्य कोषाधिकारी, देहरादून/ समस्त जनवद।

3 - विता अनुमाग-3

विदेशक, एन. जार्ड सी. चललंबल संदिवासय परिसर देहरादून।

5- गार्ड फाइल।

(बी. सी. चन्दोलः) सामग्र

> आज्ञा से. । की सी चन्दोला)